Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

समकालीन विश्व राजनीति

अध्याय - 1

दो ध्रुवीयता का अंत

भाग - 5

Satyaveer Yadav

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

चौकाने वाली घटना

पूर्वानुमान : सोवियत संघ के मध्य एशियाई गणराज्यों में राष्ट्रवादी आकांक्षाओं का उभार सबसे अधिक होगा।

क्योंकि : ये रूस से धार्मिक और नस्ली लिहाज से अलग तथा आर्थिक रूप से पिछड़े हुए थे।

लेकिन : सोवियत संघ के प्रति राष्ट्रवादी असंतोष यूरोपीय और अपेक्षाकृत समृद्ध गणराज्यों में सबसे प्रबल नजर आया।

कारण : यहां के आम लोग अपने आपको मध्य एशियाई लोगों से अलग थलग महसूस कर रहे थे।

इनके मन में यह भाव घर कर गया कि ज्यादा पिछड़े इलाके सोवियत संघ में शामिल करने में उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ रही है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

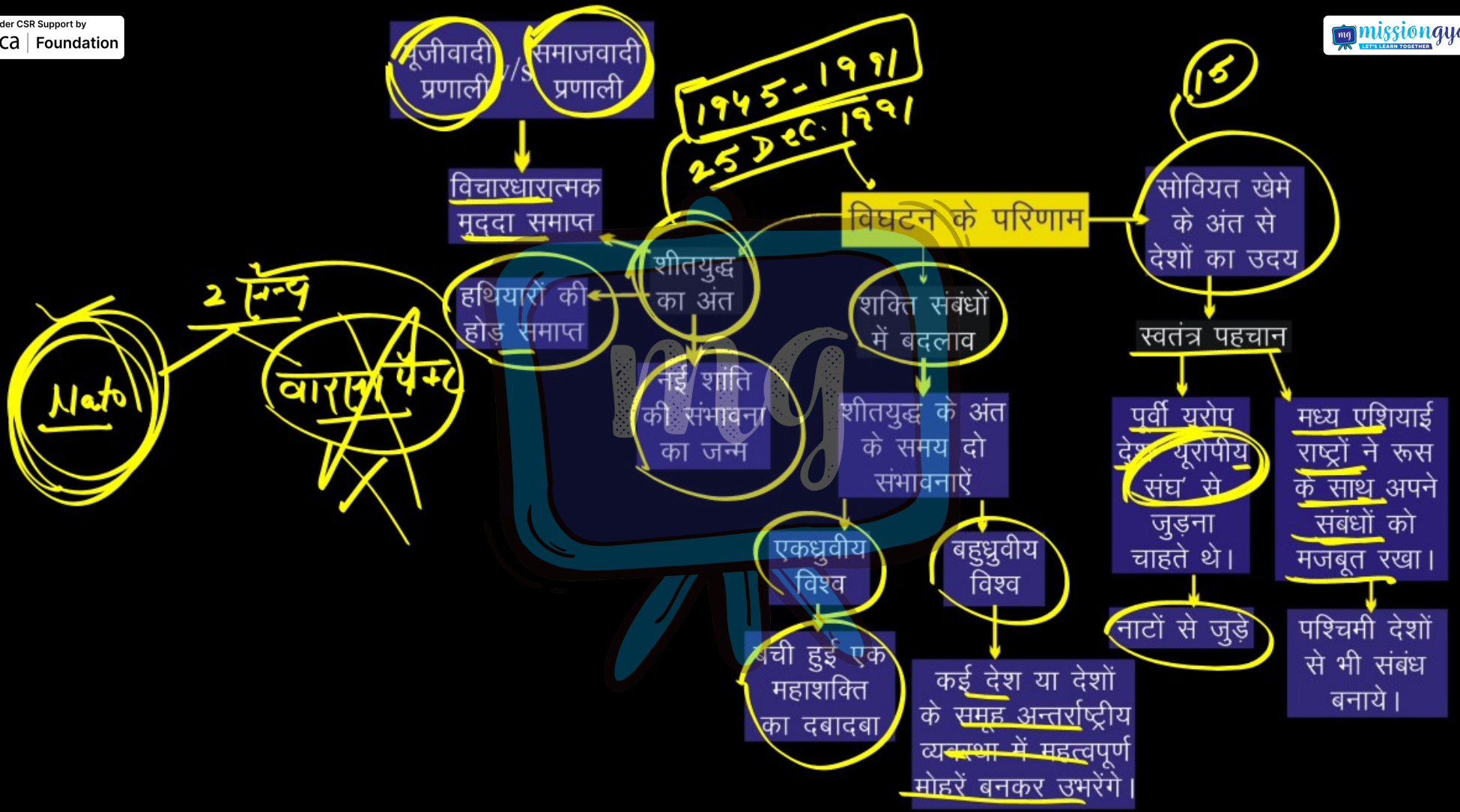

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

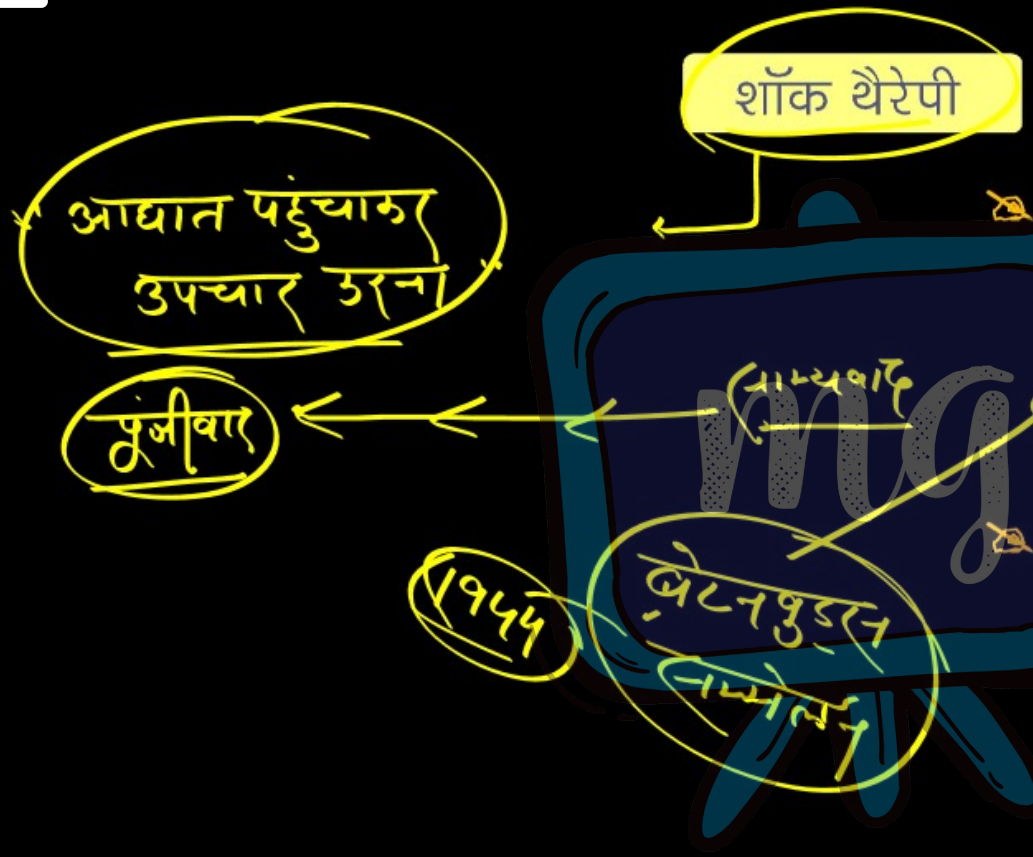

- रूस मध्य एशिया के गणराज्य और पूर्वी यूरोप के देशों में पूंजीवाद की ओर संक्रमण का एक खास मॉडल अपनाया।
- विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा निर्देशित इस मॉडल को शॉक थैरेपी कहा गया।
- भूतपूर्व दूसरी दुनिया के देशों में शॉक थेरेपी की गति और गहनता अलग अलग रही लेकिन इसकी दिशा और चरित्र बड़ी सीमा तक एक जैसे थे।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

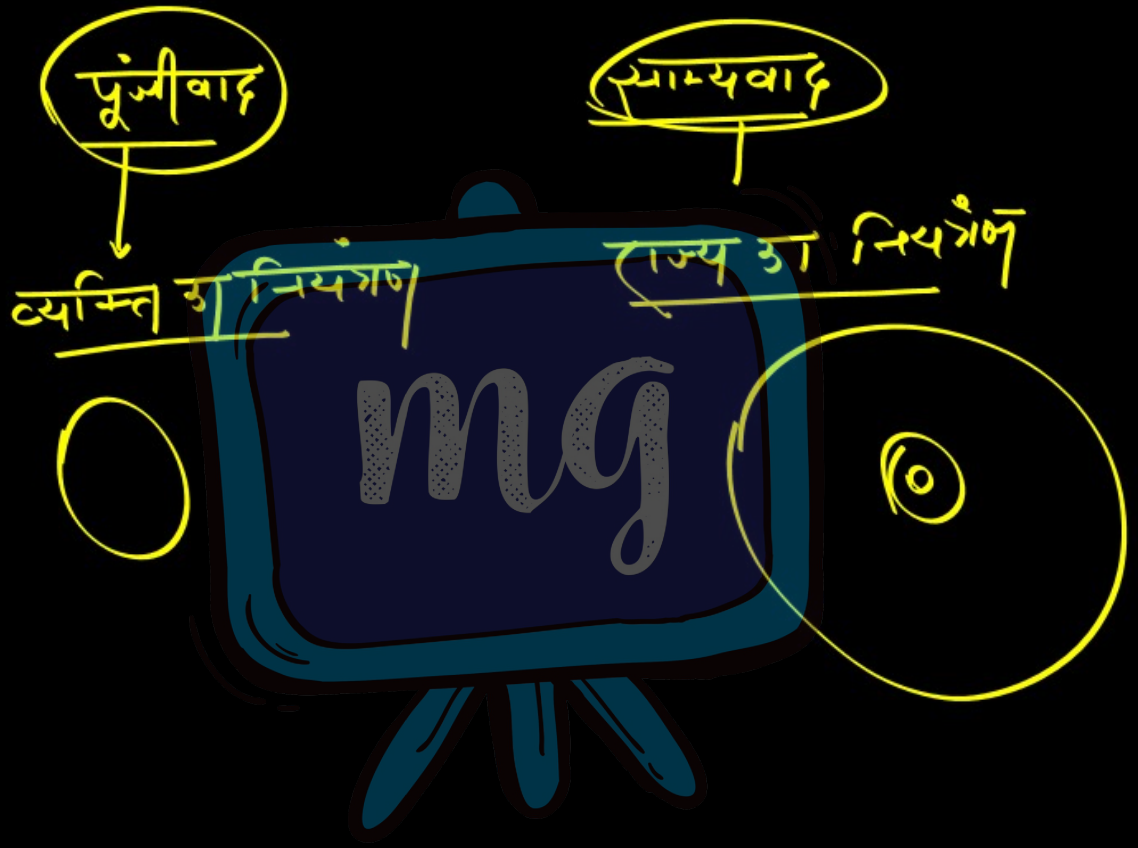

Under CSR Support by ipca | Foundation

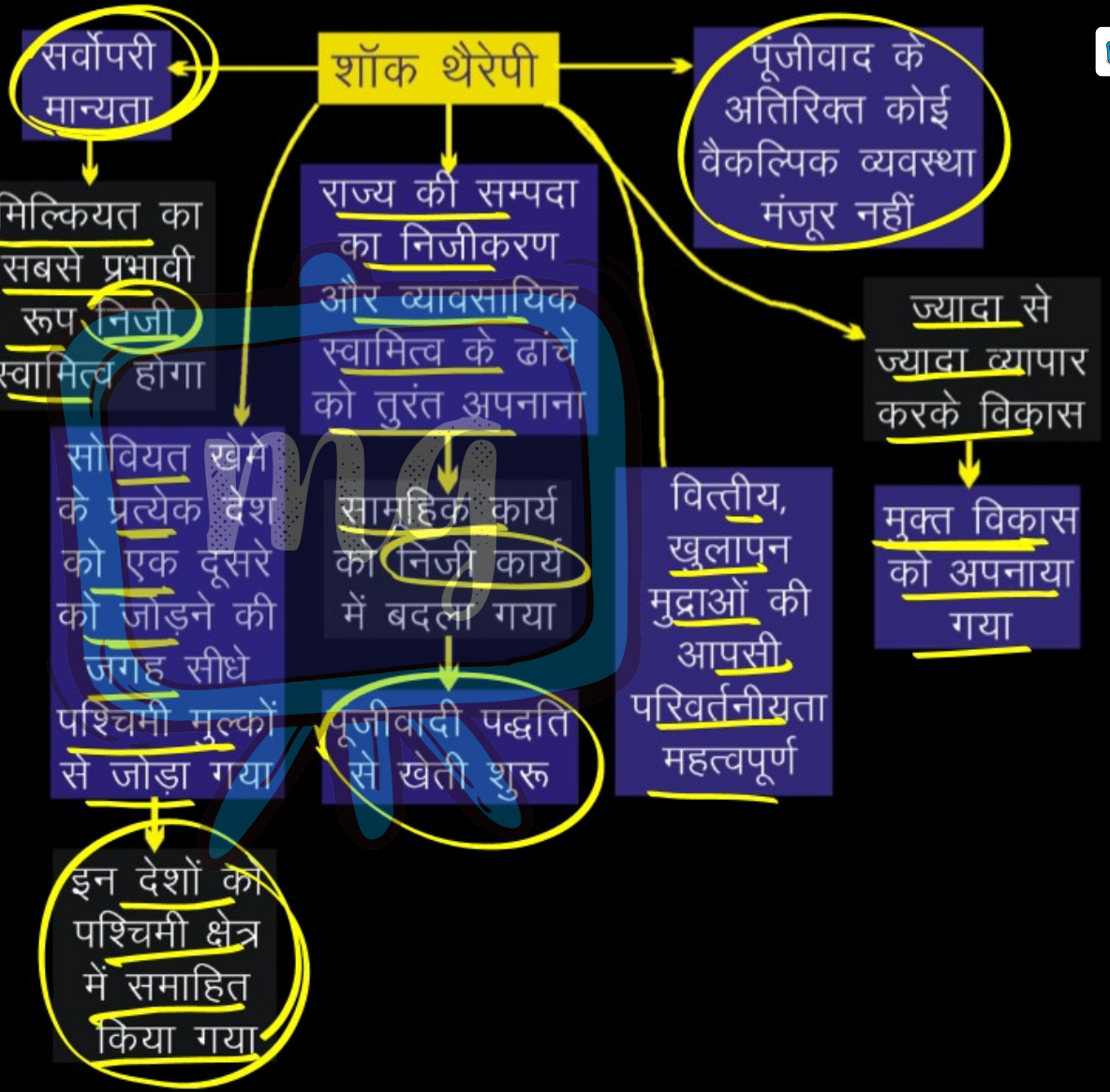

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

शॉक थैरेपी के परिणाम

आर्थिक परिणाम :-

- 'शॉक थैरेपी' से पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था तहस-नहस।
- रूस में पूरा का पूरा राज्य नियंत्रित ढांचा चरमरा उठा।
- आर्थिक ढांचे के पुनर्निर्माण का ये कार्य सरकार की बजाय बाजार की ताकतें कर रही थी, इसलिए यह कदम सभी उद्योगों को मटियामेट करने वाला साबित हुआ।
- रूसी मुद्रा रूबल में गिरावट।
- मुद्रास्फीति इतनी ज्यादा बढ़ी कि लोगों की जमापूंजी जाती रही।
- सामूहिक खेती की प्रणाली समाप्त लोगों के सामने अब खाद्यान्न संकट।

महंगाई

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

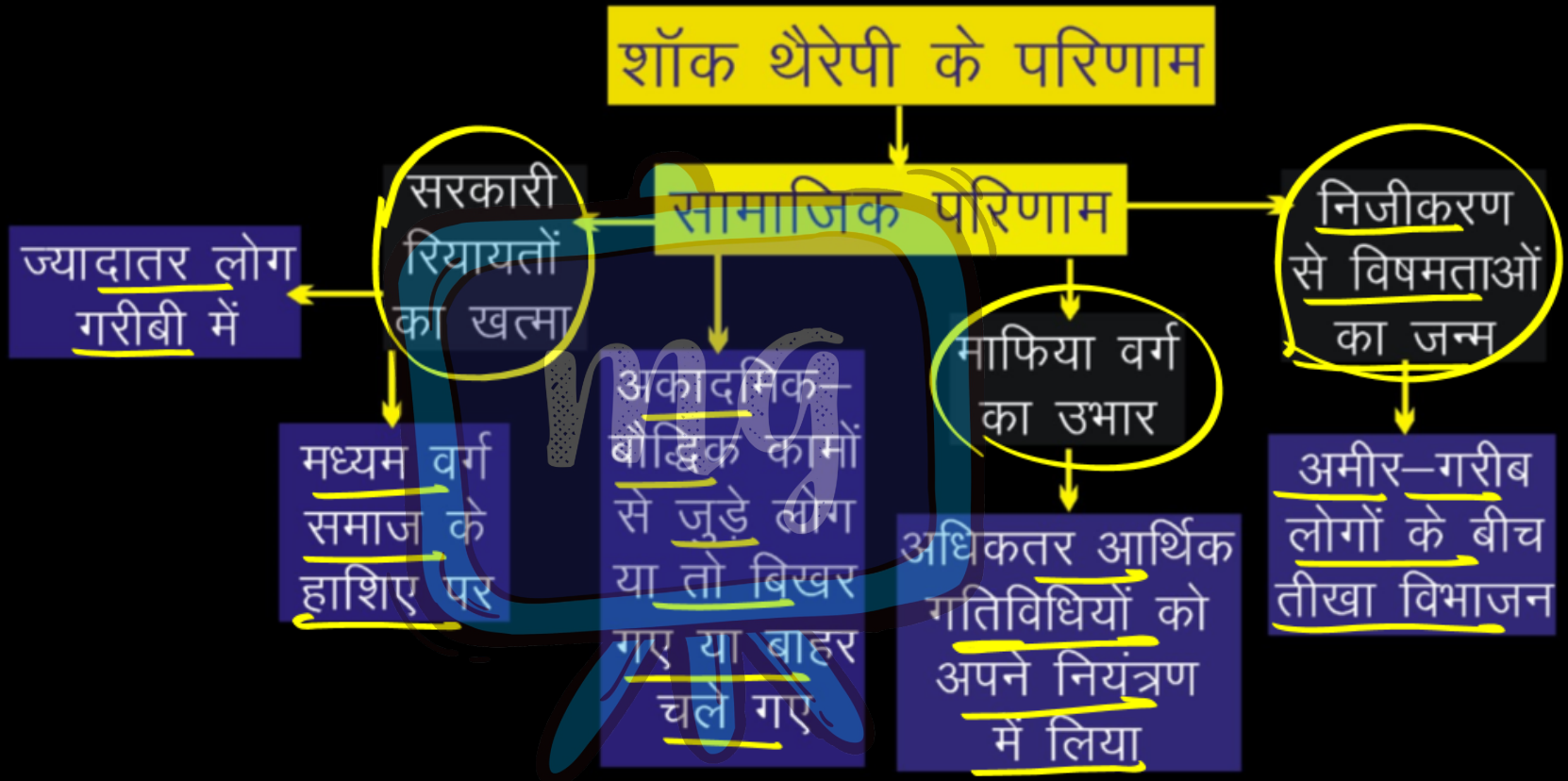

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

शॉक थैरेपी के परिणाम

राजनीतिक परिणाम

- लोकतांत्रिक संस्थाओं के निर्माण का कार्य प्राथमिकता के साथ ना हो सका
- अधिकतर देशों में न्यायिक संस्कृति और न्यायपालिका की स्वंत्रता स्थापित करने का काम अब भी बाकी
- हड़बड़ी में संविधान तैयार किये गये
  - अधिकांश देशों में राष्ट्रपति को कार्यपालिका प्रमुख बनाया गया
    - उसके हाथ में हर संभव शक्ति थमा दी
    - संसद कमजोर रह गयी
  - मध्य एशिया के देशों में राष्ट्रपति को बहुत अधिक शक्तियां प्राप्त
    - इनमें से कुछ सत्तावादी हो गये।

